ध्येय IAS
most trusted since 2003

DAILY prePARE
Current affairs summary for prelims

27 November 2024

दुनिया का पहला समानांतर उपग्रह युग्म

संदर्भ: भारत का ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (PSLV) 4 दिसंबर 2024 को प्रोबा-3 मिशन लॉन्च करेगा। यह मिशन यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ESA) के सहयोग से संचालित होगा। इस अभियान के तहत, सूर्य के बाहरी वायुमंडल (सौर कोरोना) का अध्ययन करने के लिए सहगामी (Parallel) युग्म में उड़ान भरने वाले दुनिया के पहले उपग्रहों की जोड़ी को तैनात किया जाएगा।

प्रोबा-3 मिशन के बारे में:

- इस मिशन में दो उपग्रह शामिल हैं:
  - एक उपग्रह सूर्य का निरीक्षण करने के लिए कोरोनाग्राफ से सुसज्जित है।
  - दूसरा उपग्रह सूर्य के तीव्र प्रकाश को अवरुद्ध करने के लिए गुप्त उपकरण (Occulter) से लैस है, जिससे सौर कोरोना का अध्ययन संभव हो सके।
- उपग्रह प्रतिदिन छह घंटे तक 150 मीटर की दूरी पर गठन में उड़ान भरेंगे और फिर अलग होकर पुन: मिलेंगे।

लेजर की दिशा:

- उपग्रहों का सटीक संरेखण बनाए रखने के लिए, एक उपग्रह से लेजर दूसरे उपग्रह पर परावर्तित किया जाएगा।
- यह प्रक्रिया मिलीमीटर स्तर की सटीकता सुनिश्चित करेगी।

टकराव से बचाव और स्वायत्तता:

- उपग्रह स्वचालित रूप से अपनी स्थिति को समायोजित करेंगे ताकि टकराव या बहाव रोका जा सके। यह प्रणाली भविष्य के मिशनों के लिए उन्नत नेविगेशन का प्रदर्शन करेगी।

अत्यधिक दीर्घवृत्ताकार कक्षा:

- उपग्रहों को 600 किमी की परिधि और 60,530 किमी की अपोजी वाली दीर्घवृत्ताकार कक्षा में लॉन्च किया जाएगा।
- इसके बाद में उन्हें अपने मिशन के लिए समानांतर कक्षा (Parallel Orbit) में प्रवेश कराया जाएगा।

दो उपग्रहों के लाभ:

- अलग-अलग उपग्रह बड़े उपकरणों के उपयोग की अनुमति देते हैं, जो कमजोर संकेतों को कैप्चर करने और सौर अध्ययन को गहराई से समझने में मदद करते हैं।
- यह प्रणाली सौर कोरोना की संरचना और व्यवहार का अधिक विस्तृत विश्लेषण करने में सक्षम बनाती है।

मिशन की क्षमता:

- **फॉर्मेशन फ्लाइंग परिशुद्धता:** प्रोबा-3 मिशन में उपग्रह मिलीमीटर-स्तर की सटीकता के साथ फॉर्मेशन फ्लाइंग बनाए रखेगा। यह पिछली तकनीकों को पीछे छोड़ते हुए अधिक जटिल अंतरिक्ष संचालन को संभव बनाएगा।
- **स्वायत्त नेविगेशन:** टकराव से बचने और स्थिति को स्वायत्त रूप से समायोजित करने की उपग्रहों की क्षमता भविष्य में कई अंतरिक्ष यानों को शामिल करने वाले मिशनों के लिए महत्वपूर्ण प्रगति का प्रदर्शन करती है।

पीएसएलवी की भूमिका:

- भारत का ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (PSLV) प्रोबा-3 मिशन लॉन्च करेगा। यह इसरो की विश्वसनीयता और अंतरिक्ष अन्वेषण में वैश्विक नेतृत्व को प्रदर्शित करता है।

ईएसए के साथ सहयोग:

- यह मिशन यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ESA) के साथ साझेदारी के माध्यम से वैश्विक अंतरिक्ष अनुसंधान में भारत की बढ़ती भूमिका को रेखांकित करता है।

इसरो के बारे में:

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) भारत की राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी है, जिसकी स्थापना 1969 में हुई थी, जिसका मुख्यालय बेंगलुरु, कर्नाटक में है। यह अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों के विकास और विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय उद्देश्यों के लिए इन प्रौद्योगिकियों के अनुप्रयोग के लिए जिम्मेदार है।

मुख्य उपलब्धियाँ:

- **कक्षीय प्रक्षेपण क्षमता:** 1980 में एसएलवी-3 के सफल प्रक्षेपण के साथ इसरो अपने प्रक्षेपण यान के साथ वस्तुओं को कक्षा में भेजने वाला 7वाँ देश बन गया।
- **ऑपरेशनल क्रायोजेनिक रॉकेट इंजन:** इसरो ने क्रायोजेनिक इंजन विकसित किया, जिससे भारत इस तकनीक वाले छह देशों में से एक बन गया।
- **चाँद पर पानी:** चंद्रयान-1 ने चाँद पर पानी की खोज की, जिससे भारत चाँद की सतह पर पहुँचने वाला चौथा देश बन गया।
- **मार्स ऑर्बिटर मिशन (एमओएम):** भारत अपने पहले प्रयास में ही मंगल पर पहुँचने वाला पहला देश बन गया, और ऐसा करने वाला विश्व का चौथा देश बना।
- **चंद्रयान-3:** चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग, जिससे भारत ऐसा करने वाला चौथा देश बन गया।
- **आदित्य-एल1 मिशन:** सूर्य की बाहरी परत (सौर कोरोना) का अध्ययन करने वाला भारत का पहला मिशन।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

ध्येय IAS
most trusted since 2003

DAILY prePARE
Current affairs summary for prelims

27 November 2024

पैन 2.0 परियोजना: भारत में करदाता सेवाओं में परिवर्तन

संदर्भ: हाल ही में भारत सरकार ने पैन 2.0 परियोजना की शुरुआत की है, जोकि मौजूदा स्थायी खाता संख्या (पैन) प्रणाली को उन्नत बनाने की दिशा में एक महत्वाकांक्षी पहल है। 1,435 करोड़ के निवेश के साथ, इस परियोजना का उद्देश्य करदाता पंजीकरण सेवाओं को आधुनिक बनाना, दक्षता, पहुंच और डेटा सुरक्षा को सुदृढ़ करना है।

पैन क्या है?

- स्थायी खाता संख्या (पैन) आयकर विभाग द्वारा जारी किया जाने वाला एक अद्वितीय 10-अंकीय अल्फान्यूमेरिक कोड है। यह भारत की कर प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पैन का उपयोग निम्नलिखित कार्यों में किया जाता है:
  - » आयकर रिटर्न दाखिल करना।
  - » बैंक खाता खोलना।
  - » उच्च मूल्य के वित्तीय और व्यावसायिक लेन-देन का संचालन।

पैन 2.0 परियोजना के मुख्य उद्देश्य:

- **प्रौद्योगिकी-संचालित परिवर्तन:** करदाता पंजीकरण को सुव्यवस्थित करने और पैन/टैन जारी करने एवं सत्यापन सेवाओं को स्वचालित करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी का उपयोग।
- **पहुंच में आसानी और शीघ्र सेवा वितरण:**
  - » कर और वित्तीय प्रणालियों के साथ निर्बाध संपर्क के लिए पैन को अन्य डिजिटल सरकारी सेवाओं के साथ एकीकृत करना।
  - » पैन जारी करने और सत्यापन प्रक्रियाओं को तीव्र और कुशल बनाना।
- **डेटा संगतता:** करदाता डेटा में त्रुटियों और विसंगतियों को कम करने के लिए सही पहचान का एकल स्रोत स्थापित करना।
- **पर्यावरण अनुकूल प्रक्रियाएं:** कागज आधारित अनुप्रयोगों से पूर्णतया डिजिटल प्रक्रियाओं की ओर बदलाव, जिससे कार्बन उत्सर्जन में कमी सुनिश्चित होगी।
- **लागत अनुकूलन:** परिचालन लागत को कम करने और करदाता सेवा की दक्षता बढ़ाने के लिए स्वचालन और डिजिटल उपकरणों का समावेश।
- **उन्नत सुरक्षा:** सुरक्षित, विश्वसनीय और कुशल सेवा वितरण के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाना।

विजन: डिजिटल इंडिया और कॉमन बिजनेस आइडेंटिफायर

- पैन 2.0 परियोजना डिजिटल इंडिया पहल के साथ संरेखित है, जिसका लक्ष्य भारत को डिजिटल रूप से सशक्त समाज बनाना है। पैन को एक सामान्य व्यवसाय पहचानकर्ता के रूप में उपयोग करके , परियोजना सभी डिजिटल सरकारी प्रणालियों में संवाद को सरल बनाती है।

पैन 2.0 के लाभ:

- **करदाता सुविधा:** पैन के प्रबंधन और आवेदन की प्रक्रिया को सरल और तीव्र बनाना।
- **एकीकरण:** डिजिटल प्रणालियों के साथ पैन का संरेखण उत्तरदायी और व्यक्तिगत सरकारी सेवाओं को सक्षम बनाता है।
- **सरकारी दक्षता:** केंद्रीकृत डेटा सूचना और सार्वजनिक सेवा वितरण के प्रबंधन में सुधार करता है।
- **वित्तीय समावेशन:** औपचारिक लेनदेन को प्रोत्साहित करता है, बैंकिंग और वित्तीय समावेशन जैसे क्षेत्रों को बढ़ावा देता है।
- **डिजिटल अर्थव्यवस्था का विकास:** डेटा प्रबंधन, समावेशिता और सुचारू डिजिटल इंटरैक्शन को बढ़ावा देता है।
- पैन 2.0 परियोजना डिजिटल इंडिया के विजन को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जोकि भारत के वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र में पारदर्शिता, दक्षता और समावेशिता को बढ़ावा देती है।

सर्वोच्च न्यायालय ने प्रस्तावना में 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों को बरकरार रखा

संदर्भ: हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों को बरकरार रखने का निर्णय दिया। यह फैसला 1976 के 42वें संविधान संशोधन को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज करता है।

- इस संशोधन के तहत आपातकाल के दौरान, प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार ने इन शब्दों को प्रस्तावना में शामिल किया था। न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि ये शब्द संविधान की मूल संरचना का हिस्सा हैं और भारतीय लोकतंत्र के बुनियादी सिद्धांतों को प्रतिबिंबित करते हैं।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

महत्वपूर्ण पद:

- **धर्मनिरपेक्षता:**
  - » संविधान में प्रारंभ में 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द शामिल नहीं था। यह ऐसे राज्य को संदर्भित करता है जो न तो किसी धर्म का समर्थन करता है और न ही किसी धर्म के विरुद्ध भेदभाव करता है।
  - » **संवैधानिक आधार:**
    - ➢ अनुच्छेद 14, 15 और 16 नागरिकों के लिए कानून के समक्ष समानता की गारंटी प्रदान करते हैं।
    - ➢ ये प्रावधान धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर किसी भी प्रकार के भेदभाव को निषिद्ध करते हैं।
- **समाजवाद:**
  - » भारतीय संदर्भ में 'समाजवादी' शब्द किसी विशेष आर्थिक ढांचे का संकेत नहीं करता, बल्कि यह राज्य की सामाजिक न्याय और कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
  - » समाजवाद का उद्देश्य आर्थिक नीतियों को प्रतिबंधित करना नहीं है, बल्कि यह समानता को बढ़ावा देने और समाज के वंचित वर्गों के उत्थान को सुनिश्चित करना है।

संवैधानिक संशोधनों पर निर्णय:

- **अनुच्छेद 368:** न्यायालय ने माना कि प्रस्तावना सहित संविधान को संशोधित करने की संसद की शक्ति निर्विवाद है। इसमें समय के साथ आवश्यकतानुसार इसके प्रावधानों को संशोधित करने की क्षमता भी शामिल है।
- **गतिशील संविधान:** 1976 में 'समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष' शब्दों को शामिल करना राष्ट्र की सामाजिक-राजनीतिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संविधान के विकास की क्षमता का प्रतिबिंब था।
- **पूर्वव्यापी संशोधन:** न्यायालय ने इस तर्क को खारिज कर दिया कि 26 नवंबर, 1949 की कट-ऑफ तिथि के कारण इन शब्दों को पूर्वव्यापी रूप से शामिल नहीं किया जा सकता। अपनाने की तिथि संविधान में संशोधन करने की संसद की शक्ति को सीमित नहीं करती।

शासन और नीति पर प्रभाव:

- **समाजवाद और आर्थिक नीति:** फैसले में इस बात पर जोर दिया गया कि भारत में समाजवाद निजी उद्यम या बाजार-उन्मुख नीतियों को बाधित नहीं करता। यह आर्थिक न्याय और समानता सुनिश्चित करता है, जिससे सभी नागरिकों को लाभ मिलता है।
- **धर्मनिरपेक्षता और धार्मिक स्वतंत्रता:** धर्म की स्वतंत्रता सुनिश्चित करते हुए धर्मनिरपेक्षता सरकार को उन हानिकारक धार्मिक प्रथाओं को संबोधित करने की अनुमति देती है जो राष्ट्रीय विकास में बाधा डाल सकती हैं। यह निर्णय समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को बढ़ावा देने का समर्थन करता है, जैसा कि राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों के अनुच्छेद 44 के तहत प्रोत्साहित किया गया है।

भविष्य के निहितार्थ:

- **बहस का समाधान:** सर्वोच्च न्यायालय के फैसले ने संविधान में 'समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष' शब्दों को शामिल करने पर बहस का समाधान कर दिया। इस निर्णय ने संसद को आवश्यकता के अनुसार संविधान संशोधन की शक्ति सुनिश्चित की।
- **धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद का विकास:** यह निर्णय भारत के लोकतांत्रिक, बहुलवादी और कल्याणकारी लक्ष्यों के अनुरूप भारतीय धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद के विकास को रेखांकित करता है।
- **लचीला संविधान:** न्यायालय का यह निर्णय पुष्टि करता है कि संविधान एक जीवंत दस्तावेज है। यह मौलिक अधिकारों की रक्षा करते हुए और सामाजिक न्याय को प्रोत्साहित करते हुए नई चुनौतियों का सामना करने में सक्षम है।
- **विधायी सुधारों की संभावना:** यह निर्णय भविष्य में विधायी सुधारों को प्रेरित कर सकता है, जिनमें समान नागरिक संहिता भी शामिल है। यह सभी नागरिकों के लिए समानता और गैर-भेदभाव सुनिश्चित करने पर केंद्रित होगा, चाहे उनकी आस्था या पृष्ठभूमि कुछ भी हो

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन

सन्दर्भ: हाल ही में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन (एनएमएनएफ) पहल को शुरू किया है। इस मिशन के लिए 2,481 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है, जिसमें केंद्र सरकार का योगदान 1,584 करोड़ रुपये और राज्यों का हिस्सा 897 करोड़ रुपये है।

- इसका उद्देश्य 2025-26 तक 1 करोड़ किसानों को लाभान्वित करना है। यह योजना रसायन मुक्त और टिकाऊ कृषि प्रथाओं को बढ़ावा देते हुए पारंपरिक कृषि-पारिस्थितिक ज्ञान के साथ आधुनिक कृषि को संरेखित करने का प्रयास करती है।

उद्देश्य एवं विशेषताएँ:

- एनएमएनएफ का उद्देश्य इनपुट लागत को कम करना, मृदा स्वास्थ्य में सुधार करना, जैव विविधता को बढ़ावा देना और पौष्टिक, रसायन-मुक्त भोजन सुनिश्चित करना है। यह मिशन पशुधन और स्थानीय संसाधनों का उपयोग करके जीवामृत और बीजामृत जैसी प्राकृतिक खेती की विधियों को प्रोत्साहित करता है।
- मिशन निम्नलिखित कार्य करेगा:
  - » 7.5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करते हुए 15,000 क्लस्टरों में परिचालन।
  - » उपयोग हेतु तैयार प्राकृतिक कृषि इनपुट की आपूर्ति के लिए 10,000 जैव-इनपुट संसाधन केंद्र (बीआरसी) की स्थापना।
  - » कृषि में 2,000 मॉडल प्रदर्शन फार्म विकसित करना, जिसे विज्ञान

केंद्रों (के.वी.के.), कृषि विश्वविद्यालयों और किसानों के खेतों में आयोजित किया जाएगा।

» 18.75 लाख किसानों को प्रशिक्षित करना और 30,000 कृषि यंत्रों की तैनाती।

» जागरूकता और मार्गदर्शन के लिए सखियों/सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों की तैनाती।

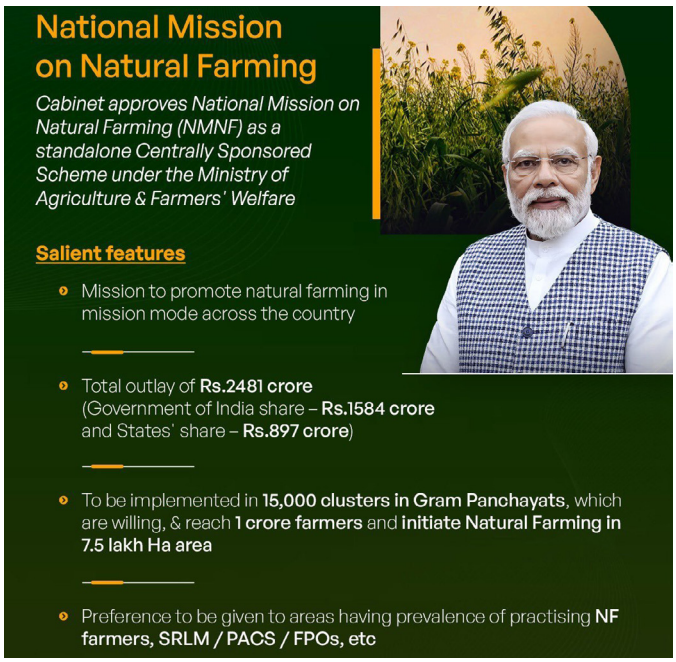

क्रियान्वयन और निगरानी:

- जियो-टैग्ड पोर्टल के माध्यम से वास्तविक समय की निगरानी, पारदर्शिता सुनिश्चित करेगी। प्राकृतिक खेती के उत्पादों का प्रमाणन और ब्रांडिंग बाजार तक आसान पहुंच बनाएंगे। अन्य सरकारी योजनाओं के साथ अभिसरण स्थानीय पशुधन, बाजार संपर्क और बुनियादी ढांचे के विकास का समर्थन करेगा।
- इसके अतिरिक्त, छात्रों को RAWE कार्यक्रम और प्राकृतिक खेती में समर्पित पाठ्यक्रमों के माध्यम से जोड़ा जाएगा।

लाभ:

» **पर्यावरणीय स्थिरता:** ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करते हुए मिट्टी की उर्वरता, जल उपयोग दक्षता और जैव विविधता में सुधार करता है।

» **आर्थिक लाभ:** महंगे इनपुट पर निर्भरता कम होने से खेती की लागत घटती है और किसानों की आय में वृद्धि होती है।

» **स्वास्थ्य लाभ:** रसायन-मुक्त और पौष्टिक भोजन प्रदान करता है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी जोखिम न्यूनतम हो जाते हैं।

» **जलवायु लचीलापन:** बाढ़, सूखे और अन्य जलवायु जोखिमों के प्रति कृषि की अनुकूलन क्षमता को बढ़ाता है।

- एनएमएनएफ एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र की परिकल्पना करता है, जोकि पारंपरिक और टिकाऊ प्रथाओं को एकीकृत कर 'स्वस्थ मिट्टी, स्वस्थ भोजन और स्वस्थ राष्ट्र' सुनिश्चित करता है। यह पहल भारतीय कृषि में एक परिवर्तनकारी बदलाव को चिह्नित करती है, जिससे किसानों, उपभोक्ताओं और पर्यावरण को समान रूप से लाभ होता है।

पॉवर पैक्ड न्यूज

रेल संपर्क बढ़ाने के लिए 7,927 करोड़ रुपये की मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी

- हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय रेलवे के लिए लगभग 7,927 करोड़ रुपये की तीन प्रमुख मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य रेल संपर्क को बढ़ाना, भीड़भाड़ को कम करना और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। अनुमोदित परियोजनाओं में शामिल हैं:
  - » जलगांव-मनमाड चौथी लाइन (160 किमी)
  - » भुसावल-खंडवा तीसरी और चौथी लाइन (131 किमी)
  - » प्रयागराज (इरदत्गंज) -मानिकपुर तीसरी लाइन (84 किमी), कुल 639 किमी.
- यह पहल पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का हिस्सा हैं, जिसका उद्देश्य माल और लोगों की निर्बाध आवाजाही के लिए मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी को एकीकृत करना है।
- ये परियोजनाएं महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के सात जिलों में फैली हुई हैं, जिनसे 1,319 गांव प्रभावित होंगे और लगभग 38 लाख लोग लाभान्वित होंगे।
- बेहतर कनेक्टिविटी से मुंबई- प्रयागराज -वाराणसी रेल कॉरिडोर का विस्तार होगा, जिससे खंडवा और चित्रकूट जैसे आकांक्षी जिलों को लाभ मिलेगा।
- इसके अतिरिक्त, पर्यावरण अनुकूल बुनियादी ढांचे से भारत के जलवायु लक्ष्यों के अनुरूप, कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में प्रतिवर्ष 271 करोड़ किलोग्राम की कमी आने की उम्मीद है।

ध्येय IAS
most trusted since 2003

DAILY prePARE
Current affairs summary for prelims

27 November 2024

दिनेश भाटिया को ब्राजील में भारत का राजदूत नियुक्त किया गया

- विदेश मंत्रालय ने 1992 बैच के भारतीय विदेश सेवा अधिकारी दिनेश भाटिया को ब्राजील में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया है।
- वर्तमान में अर्जेंटीना में भारत के राजदूत के रूप में कार्यरत भाटिया अर्जेंटीना में अपने कार्यकाल के बाद अपनी नई भूमिका संभालेंगे, जहां उन्होंने 21 अगस्त, 2019 को पदभार ग्रहण किया था।
- भाटिया के राजनयिक कैरियर में टोरंटो में भारत के महावाणिज्यदूत और कोटे डी आइवर, गिनी और लाइबेरिया में राजदूत जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं।
- उन्होंने मुंबई में परमाणु ऊर्जा विभाग में भी कार्य किया तथा भारत के पर्यटन मंत्री के निजी सचिव के रूप में भी कार्य किया।
- भाटिया ने 2023 में ब्लूम्सबरी द्वारा प्रकाशित "देवी पुराण- ए रेंडिशन ऑफ श्रीमद देवी भागवतम" और 1994 में प्रकाशित "फिजिक्स फॉर सिविल सर्विसेज प्रीलिम्स" लिखी है।

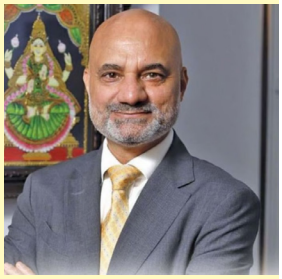

दुर्लभ इंपीरियल ईगल पुलुझी में देखा गया कोले वेटलैंड्स

- हाल ही में पुलुझी के कोले वेटलैंड्स में दुर्लभ शाही ईगल (Aquila heliaca) देखी गई है। ईबर्ड के आंकड़ों के अनुसार, कन्नूर में 2003 में इसकी आखिरी उपस्थिति के बाद से इस क्षेत्र में इस प्रजाति का यह पहला दृश्य है।
- इंपीरियल ईगल मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्वी यूरोप, पश्चिमी और मध्य एशिया में प्रजनन करता है तथा सर्दियों के दौरान उत्तर-पूर्वी अफ्रीका, पश्चिम एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के कुछ हिस्सों में प्रवास करता है।
- अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन) ने इस प्रजाति को विलुप्त होने के खतरे वाली सूची में रखा है, जिससे इसके संरक्षण की तत्काल आवश्यकता पर बल मिलता है।
- त्रिशूर-पोन्नानी कोले बर्डर्स कलेक्टिव द्वारा संचालित एक प्रमुख पक्षी अवलोकन केंद्र, कोले फील्ड्स में इस मौसम में विलुप्तप्राय ईगल प्रजातियों के कई दृश्य दर्ज किए गए हैं, जिनमें ग्रेटर स्पॉटेड ईगल और इंडियन स्पॉटेड ईगल प्रमुख रूप से शामिल हैं।

सधाया विझा उत्सव

- सधाया विझा उत्सव, तमिल माह अप्पासी (मध्य अक्टूबर से मध्य नवंबर) के दौरान प्रतिवर्ष तमिलनाडु के तंजावुर में राजाराज चोल प्रथम की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया जाता है।
- यह उत्सव भगवान शिव को समर्पित चोल वास्तुकला की उत्कृष्ट कृति बृहदेश्वर मंदिर के इर्द-गिर्द केंद्रित है, जहाँ राजाराज चोल की भक्ति का सम्मान किया जाता है। इस कार्यक्रम में पवित्र अभिषेक (पवित्र स्नान) और देवता की शोभायात्रा जैसे धार्मिक समारोह शामिल होते हैं। शास्त्रीय नृत्य और भजन गायन जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम उत्सव को और भी विशेष बनाते हैं।

राजाराज चोल प्रथम के बारे में:

- राजा चोल प्रथम, जिनका जन्म नाम अरुलमोझी वर्मन था (947 ई.), इतिहास के सबसे प्रसिद्ध शासकों में से एक थे। उनके शासनकाल (985-1014 ई.) में सैन्य विजय और सांस्कृतिक समृद्धि दोनों देखी गई।
- उन्होंने चोल साम्राज्य का विस्तार श्रीलंका और मालदीव तक किया। कल्कि कृष्णमूर्ति के उपन्यास पोन्नियिन सेल्वन और उसके बाद के फिल्म रूपांतरण में उनके जीवन को अमर किया गया।
- बृहदेश्वर मंदिर में इसके निर्माण, अनुष्ठानों और राजा के व्यक्तिगत योगदान का विवरण देने वाले शिलालेख भी मौजूद हैं।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com